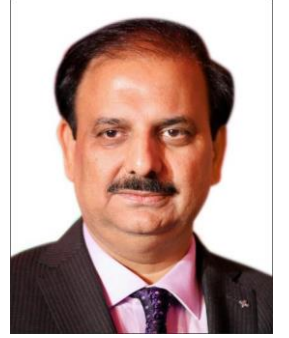


प्रेस विज्ञप्ति

डॉ. राकेश कुमार ने मुख्य संरक्षक की भूमिका अपनाई - हस्तशिल्प निर्यात को 2030 तक तीन गुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली - 28 जून'2023 - ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया कि डॉ. राकेश कुमार ने मुख्य संरक्षक (चीफ मॅटर) की भूमिका अपनाई और इस विषय पर अपने विशाल अनुभव और ज्ञान के साथ हस्तशिल्प क्षेत्र का मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे। महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करने और सेवा में निर्धारित आयु पूरी करने के बाद अप्रैल 2023 में अपना इस्तीफा दे दिया था।



आगे विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, ईपीसीएच के हमारे जयपुर घोषणापत्र के अनुसार "तीन गुना तीस तक" का जनादेश हम में से प्रत्येक के प्रयासों के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। डॉ. राकेश कुमार के जबरदस्त योगदान को देखते हुए, "तीन गुना तीस तक" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, डॉ. राकेश कुमार का मार्गदर्शन और दूरदर्शिता बहुत मददगार होगी, जिसके बिना लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा।

संपूर्ण हस्तशिल्प निर्यातक बिरादरी और प्रशासन समिति ने डॉ. कुमार से ईपीसीएच के मुख्य संरक्षक (चीफ मॅटर) की भूमिका में महानिदेशक बने रहने का अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। मुझे पूरा यकीन है कि हममें से हर कोई "तीन गुना तीस तक" के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 100% देगा और डॉ. राकेश कुमार के अनुभव और मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएगा। श्री बैद ने मुख्य संरक्षक (चीफ मॅटर) की भूमिका स्वीकार करने के लिए श्री कुमार के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और होम, जीवनशैली, कपड़ा, फर्नीचर और फैशन आभूषण और एसेसरीज के उत्पादन में लगे देश के विभिन्न शिल्प समूहों में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के करिश्माई उत्पादों की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा ने बताया वर्ष 2022-23 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात रु. 30,019.24 करोड़ (US\$3,728.47 मिलियन) रहा।

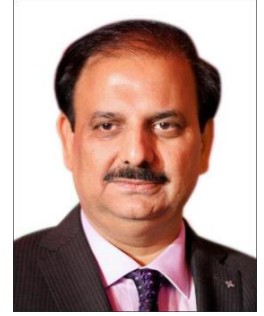
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

श्री आर.के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच +91-9810697868

Press Release

Dr. Rakesh Kumar assumes the role of CHIEF MENTOR – To Guide Handicrafts exports to triple its turnover by 2030

New Delhi – 28th June'2023 – Shri Dileep Baid, Chairman-EPCH informed that Dr Rakesh Kumar has assumed the role of Chief Mentor and would continue to guide the handicraft sector with his vast experience and knowledge on the subject. Director General, Dr. Rakesh Kumar after successfully completing his tenure and completing the prescribed age in service had put in his papers in April 2023.



Elaborating further, he said, EPCH's mandate of "Teen Guna tees tak" part of our Jaipur declaration cannot be achieved without the efforts of each of us. Looking back at the tremendous contributions of Dr. Rakesh Kumar. To achieve the target of "Teen Guna tees tak" Dr Rakesh Kumar's guidance and vision will be of immense help without which the target would be difficult to achieve.

The entire handicrafts exporting fraternity and the Committee of Administration had requested Dr. Kumar to continue as the Director General in the role of Chief Mentor of EPCH, which he has graciously accepted. I am very certain that each one of us will give 100% to achieve the target of "Teen Guna tees tak " and take full advantage of Dr. Rakesh Kumar's experience and mentorship. Shri Baid expressed his deep gratitude to Mr Kumar for accepting the role of Chief Mentor.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal agency for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2022-23 was Rs. 30,019.24 Crores (US \$ 3,728.47 Million) informed Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information, please contact:

Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH +91- 9810697868

Encl: Hindi & English version